



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 44] नई दिल्ली, शुक्रवार, मार्च 13, 1992/फाल्गुन 23, 1913
No. 44] NEW DELHI, FRIDAY, MARCH 13, 1992/PHALGUNA 23, 1913

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन हो सके
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

(प्रायतः व्यापार नियंत्रण)

सार्वजनिक सूचना सं. 230 आईटीसी (पीएन)/90-93

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1992

विषय :—वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन (येन 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहर लाल मेहूक विश्व-विद्यालय के लिए दृश्यश्रव्य उपकरणों और भारत के पत्तनों पर उपकरणों के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

फाइल सं. आईपीसी/23(89)/90-93 :—वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन (येन 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहर लाल मेहूक विश्व-विद्यालय के लिए दृश्यश्रव्य उपकरणों और भारत के पत्तनों पर उपकरणों के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें इस सार्वजनिक सूचना के परिशिष्ट में उल्लिखित हैं और इसे सूचना के लिए प्रसिद्ध किया जाता है।

डॉ. आर. मेहता, मुख्य नियंत्रक, प्रायतः-नियंत्रित

वाणिज्य मंत्रालय की सार्वजनिक सूचना सं. 280 आईटीसी (पीएन)/90-93 दिनांक 13-3-92 का परिशिष्ट वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन (येन 45,000,000) की जापानी अनुदान सहायता के अंतर्गत अवाहर लाल मेहूक विश्व-विद्यालय के लिए दृश्यश्रव्य उपकरणों और भारत के पत्तनों पर उपकरणों के परिवहन के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए लाइसेंसिंग शर्तें।

खण्ड-1—सामान्य शर्तें

1(1) वर्ष 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन की जापानी अनुदान सहायता उपकरण के प्रायतः के लिए और उसके भारतीय पत्तनों पर परिवहन के लिए सेवाओं के लिए संघर्षों को की जाने वाला भदा-यगी के बिल पीवण के लिए है।

1(2) प्रायतः के नाम में प्रायतः लाइसेंस कुल मिलकर 49.5 मिलियन घेन लाइसेंस बीमा भाड़ा मूल्य से अधिक के लिए जारी नहीं किए जाने चाहिए और उन पर एक शीर्षक 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन की जापानी अनुदान सहायता होना चाहिए। प्रथम और द्वितीय प्रत्यक्ष के लिए लाइसेंस कोड एस "जे एन" होगा। परन्तु सामान्य खुले लाइसेंस के अंतर्गत जाने वाली मदों के लिए कोई प्रायतः लाइसेंस अपेक्षित नहीं है।

1(3) विदेशी मुद्रा के किन्हीं या परेषण का अनुमान सामान्य रूप से के मुद्दे नहीं हो जायेगा। भारतीय अधिकारी के कार्यक्षेत्र के प्रति कोई बाधना या भारतीय अधिकारी को भारतीय रुपये में भुगतान करना चाहिए। लेकिन ऐसे भुगतान अक्षम मूल्य से हो जायेगा और लाभों पर ही प्रभावित किए जाएंगे।

1(4) 'अनुदान' का अर्थ है 'अनुदान' के अन्वये, जहाँ तक कि जाए।

1(5) 'आय' आर्थिक लाभ की भाँति आर्थिक पर जाए किता जाएगा जो कि 31-03-1992 तक वैध रहेगा।

1(6) 'गुणवत्ता' में, एक आधार पर अर्थात् बैंक आफ इंडिया, टोकियो को जापानी संभरकों द्वारा पेशकश करायेजों को प्रस्तुत करने पर भुगतान की व्यवस्था जाना चाहिए। उम्मेद गुणवत्ता का अवधि के लिए जो इस प्रकार व्यवस्था होनी चाहिए।

"गुणवत्ता 15-03-1992 तक पूर्ण की जानी है।"

1(7) भविष्य का मूल्य प्राप्त और भाड़ा या अज्ञात पर्वत नि-भुक्त मूल्य आधार पर पेश में दर्शाया जाना चाहिए (येन का भिन्न को हटाया जाना चाहिए) और भारतीय अधिकारी का ज्ञान यदि कोई होता शामिल नहीं किया जाना चाहिए। अन्य किता मुद्रा में डेट का मूल्य किसी भी परिस्थिति में अनिश्चित नहीं होना चाहिए। अज्ञात पर्वत नि-भुक्त लागत और भाड़ा धनराशि अलग-अलग प्रविष्टि की जाते हैं। परन्तु डेट में यह बात स्पष्ट कर देनी चाहिए कि भारी का खर्च 'समा-विक' आधार पर देय होता या कि में निश्चित किए गए भारी का खर्च सामाजिक खर्चों के प्रतिरूप देय होना चाहिए।

1(8) रूप संविदा जापानी घेन में केवल जापानी राष्ट्रियों या जापानी राष्ट्रियों द्वारा निश्चित जापानी बैंक व्यक्तियों के साथ का जानी चाहिए। एक प्रमाणपत्र (दो प्रतियों में) जिनमें संभरकों को पालना वगैरि गई हों प्रत्येक संविदा के साथ जारी जानी चाहिए।

खण्ड-2--संभरक डेटों में निम्नलिखित करने विशेष रूप से सम्प्रेषित होनी चाहिए।

2(1) 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन की अनुदान सहायता से संबंध, उप संविदा की व्यवस्था 09-12-1991 को भारत और जापान को सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार का गई है और यह दोनों सरकारों के अनुमोदन के अधीन होगी।

2(2) विदेशी संभरकों की सुविधा उन "भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र" (ए/पी) के माध्यम से किया जाएगा जो 1991-92 के लिए जापानी अनुदान सहायता के अधीन बैंक आफ इंडिया, टोकियो के नाम से जारी। एवं लेखों परीक्षा निबंधक, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, उद्योग आयुक्त भवन, 5वां तल (बी बिल्डिंग) जापान, तई दिवस-110001 द्वारा जारी किया जाएगा।

2(3) जापानी संभरक ऐमो सुचना और दस्तावेजों को प्रस्तुत करने के लिए महत्व है जो एक और भारत सरकार द्वारा और दूसरी और जापानी सरकार द्वारा अतिरिक्त हो।

2(4) जापानी संभरक भारतीय दूतावास टोकियो के साथ विभाग करके पेश लक्षण व्यवस्था करने के लिए सहमत हो गए हैं और उन उद्देश्य से यह जापान मात का टिप्पण के कार्यक्रम के बारे में भारतीय दूतावास टोकियो का सुचित करना रहेगा और कार्यक्रम का छह हफ्ते पहले अभिमत पोतलदान की अधिभुक्तता भारतीय दूतावास को देना ताकि सम्पत्ति व्यवस्था की जा सके। अधिभुक्त स्वरूप और आयोजना की वही दो नोटिस की इस संधि को कम किया जा सकता है। जापानी संभरक प्रत्येक पोतलदान के आयतकर्ता को केवल द्वारा आर्थिक एवरे की सुचना देने के लिए ही सहमत होना तथा उसकी एक प्रति भारतीय दूतावास, टोकियो को भेजी जाएगी।

खण्ड-3--भारत सरकार और जापान द्वारा डेट का अनुमोदन

3(1) जैसे ही आदेशों को अंतिम रूप दिया जाने है, राष्ट्रसंघों को दोनों पार्टियों द्वारा विधिवत हस्ताक्षरित डेटों को पालन प्रतियों या जापान, संभरकों को जापान अधिभुक्त द्वारा दिए गए, कथ आदेश के साथ जापानी संभरक द्वारा लिखित रूप में पुष्टिकरण आदेश को जारी प्रतियों सहित सभी प्रकार में पूर्ण पोटल प्रतियों के साथ अनुबंध 1 के प्रमाण में "ए/पी" जारी करके आदेश को दो प्रतियों सहित अवर सचित (जापान) आर्थिक कार्य विभाग निम्न उक्ताना कार्य देना नही देना की भेजना चाहिए। उपर्युक्त प्रक्रिया संधि की विषय वस्तु या उक्ताना काम के आवश्यक प्रावधानों में उक्ताना सम्पत्तिदा तृतीयों के लिए को लागू होगा।

3(2) वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग), जापान अनुदान, 1991-92 के लिए 45 मिलियन घेन का जापानी अनुदान सहायता के अधीन वित्तदान देने के लिए निवेश की दो प्रतियाँ जापान सरकार की अनुमोदन के लिए भेजेगा और दत्त के साथ साथ उर्फ (1) में उल्लिखित दस्तावेजों का एक-एक नैट लेखा व लेखा परीक्षा निबंधक और भारत के दूतावास, टोकियो को भी भेजा जाएगा।

3(3) जापान सरकार से देका अनुदान प्राप्त करने के लिए यदि वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग, नार्थ ब्लॉक जापान अनुदान उसकी सूचना सहायता लेखा व लेखा परीक्षा निबंधक, आर्थिक कार्य विभाग, वित्त-मंत्रालय, इंडियन आयुक्त भवन 5वां तल बी बिल्डिंग, तई दिवस-110001 को देगा जो कि जापानी संभरक को भुगतान करने के लिए बैंक आफ इंडिया टोकियो का अनुबंध-2 के अनुसार एक "जापान प्राधिकार पत्र" (ए/पी) जारी करेगा। प्राधिकार पत्र (ए/पी) को प्रतियाँ भारत सरकार का दूतावास टोकियो आयातक भारत में आयतन के बैंक और वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग से जापान अनुदान को भेजा जाएगा।

3(4) भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की प्राप्ति के बाद बैंक आफ इंडिया टोकियो जापान सरकार, भारत का राजदूतावास टोकियो भारत में आयातक के बैंक और सहायता लेखा परीक्षा निबंधक को सूचना देते हुए इस प्राप्ति को सूचना के समरक को अवगत कराएगा।

3(5) पोतलदान करने के बाद जापानी संभरक अपने बैंकों के माध्यम से ए/पी में उल्लिखित दस्तावेज बैंक आफ इंडिया, टोकियो को प्रस्तुत करेगा यदि दस्तावेज सही पाए गए तो बैंक आफ इंडिया, टोकियो दस्तावेजों में उल्लिखित धनराशि जापानी संभरक को अपने बैंकों के माध्यम से रिहा करेगा।

3(6) जापानी संभरक को भुगतान करने की व्यवस्था करने के लिए बैंक आफ इंडिया, टोकियो को देय वीर्य प्रमाणों का भुगतान भारत में आयातकर्ता के संबंधित बैंक द्वारा भारत सरकार के बैंक को प्रभावित किए बिना सामान्य बैंक सूत्रों के माध्यम से बैंक आफ इंडिया, टोकियो को धन परेषण द्वारा कर दिया जाएगा।

खण्ड-4--रक्या निश्चय करने के लिए उत्तरदायित्व

4(1) मूल पराक्रम पेश परिवर्तन दस्तावेज बैंक आफ इंडिया टोकियो द्वारा भारत में आयातक के संबंधित बैंक को भेजे जाये जो, कि भारतीय स्टेट बैंक या अनुबंध-1 में (म) पर पाया जा सके किमो राष्ट्रीयकृत बैंक की एक भाषा होगी जो संस्था वास्तव में पराक्रम अज्ञातानी दस्तावेज रिहा करने से पूर्व ही जारी की सुनिश्चित करेगा कि जापानी संभरक को क्वार्टर गई के भुगतान की सम्पत्ति संधि की धनराशि के समरक भाषा उन मामलों में जारी देने योग्य हो जाता के प्रमाण सहित सूचना दस्तावेजों की सचित साधन संभरक को भुगतान कर दिया है और उस धनराशि पर जापानी संभरक का बैंक भाषा उक्ति, टोकियो द्वारा भुगतान की निधि से वास्तविक रूप से तथा करने की निधि तक की अवधि पर पहले 30 दिनों के लिए 12 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से और शेष अवधि के लिए 18 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से दिये

यन्माकर द्वारा सार्वजनिक सूचना सं. 31-आई टी सी (पी एन)/83 दिनांक 26-8-83 और 35-आई टी सी (पी एन)/89, दिनांक 26-8-83 को यहाँ के युवागार गश्करी विभे में जमा कर दिया गया है। अतः दोनों दिनों अर्पण प्रशिक्षित लिखी सम्मेलन की भुगतान किया जाता है और जिस दिन गश्करी लेबल में अपना किया जाता है, देर है, देशिक मार्ग-जनिक सूचना सं. 103-आई टी सी (पी एन)/75, दिनांक 12-10-76 और सार्वजनिक सूचना सं. 230-आई टी सी (पी एन)/85 89, दिनांक 20-7-87 द्वारा गणायित सार्वजनिक सूचना सं. 74-आई टी सी (पी एन)/74, दिनांक 31-5-74 आयाज द्वारा किए जाने वाले कार्य निम्नो को निकटवर्तन रूप से में लिया जाएगा। विदेशी संग्रह को लिए गए येन भुगतान के समुचित राशि को गणना करने के लिए प्राप्त्यो जाते वाली विविधता की दर भुगतान की दायित्व को लघु प्रतिफल की वह मिथिल दर होगी जो सार्वजनिक सूचना सं. 9-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76, तथा सार्वजनिक सूचना सं. 113-आई टी सी (पी एन)/88-91, दिनांक 6-4-89 में निर्धारित तरीके के अनुसार नियोजन की गई हो जो मुख्य नियंत्रक आयाम निर्माण की सार्वजनिक सूचनाओं के माध्यम से या भारतीय रिजर्व बैंक के द्वारा विविध नियक्षण परिणामों के माध्यम से सरकार द्वारा समय-समय पर पंक्ति को गई था। इस संबंध में आवश्यकता की दर के संवेदन में अब भी कॉन्फिगरेशन अवस्थाओं होगा, अधिकृत कर दिया जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार की जिम्मेदारी होगी कि वैधानिकता प्राप्तियों के माध्यम से वस्तुत्व मोपने के पहले सरकारों को से ठीक प्रकार से जमा कर दी गई है। आपातक को भी यह सुनिश्चित कर के ताकि कि देशपाणि अपने व्यवसायों से वस्तुत्व को गुप्तगी देने में पहले सरकारी स्थानों में ठीक प्रकार से जमा करा दी गई है। यह सुनिश्चित करने के लिए आपातक की जिम्मेदारी होगी कि वेचनगति सक्ती स्थानों से ठीक प्रकार से सुरक्षा जमा करा दी गई है जैसे ही अन्य वे विषय परिस्थितियों के प्रत्यक्ष समाप्ति प्राधिकारियों से मात्र की सुनिश्चित प्राप्त करने है। यदि आपातक सरकार को देश चलयण को मात्र की गुप्तगी देने में पहले जमा नहीं कर पाता तो आपको कि उसे परिवार पर दादा बंद कर दिया जाए। जिस लेखा शीर्ष में उपर्युक्त रूप से विशेष किया जाएगा वह "क डिजाइनिंग एंड एडवांसिंग 344" मिलियन डिजाइनिंग, डिजाइनिंग फार्म परिवर्तित एडवांसिंग एंड एडवांसिंग स्टैंड एडकोप रिजर्वेंस आफ जवान फार्म 1991-92 स्टैंड फार्म रिजर्वेंस आफ वर्गाओं विकल्पून क्षितिज/परिवर्तित नियमों फार्म दो ट्रांसपोर्टेड देशपाणि ट पोर्टिंग इन इंडिया आई एन एन" होगा।

4(2) ऊपर उल्लेखित घटनाओं या तो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली में या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली, दिल्ली में चालते ऊपर दार्जिली ब्रिज बोर्ड के फाउ. सं. 5160000000 का धन देने हुए या ऐसा करने से तो ऐसा भारतीय स्टेट बैंक या उसी दिने अनुबंध शाखा या किसी सम्बन्धित बैंक (इसरी द्वारा) के डिपॉजिट प्राप्त करने या उसे भारतीय स्टेट बैंक, नई दिल्ली दिल्ली-6 (इसरी एजेंटरी) को बरा दिया जाए निष्कर्ष गन्धार की सांस्कृतिक सूचना सं. 10.3-आई टी सी (फाउ.)/76, दिनांक 12-10-76 में द्वारा निर्दिष्ट रूप में बना होना चाहिए।

1(3) भारत सरकार विन मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग द्वारा जेमा किया जाने के बाद ता दिनों के भीतर भारत में पम्पड बैंक को उन्नत निष्ठागत तरीके से यह अनिवार्य धनराशि मेरा खर्ची के निमित्त क्षेत्रा (जो दिन मन्त्रालय आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा मांगी जाए। वातात के विभिन्न क्षायों को धरने समय आगलको/उमके क्षेत्रों को इस बात को सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि राश्वअनिक सूचना स. 103-प्रॉर्टी बी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 के पैरा 2 में निर्धारित सूचना आलात के माथम "धन वस्त्रण" और प्राधिकारी (यदि कोई हो) के पूर्ण क्षरे में निरपवाद रूप में निष्पट किया जाए। खजाना वातात में निस्सर्जित क्षरे निरपवाद रूप में प्रस्तुत करने चाहिए।

- (क) दिन मंत्रानुसार के प्राधिकार पत्र की संख्या और दिनांक ।
- (ख) येस मुद्रा की वह अवगणि जिसके संबंध में यातायाई गई परिवर्तन की दर से साथ विशेष किए जाने हैं ।
- (ग) विदेशी संस्करण को भुगतान करने की तिथि ।
- (घ) अदा किए गए ऋण का राशि और अवधि जिसके लिए गिना गया है ।
- (ङ) कुल जमा राशि ।

(वर्षात को गणना करता है संतान को प्रशस्ती का तारीख
मे श्री उत तारीख तक जिस तारीख को समस्त समस्त रूपका
संज्ञा को खाने में जमा कराया है, का ज्ञानी) ।

जैसे परधान पी. ए. ए. एण्ड ए. हांग जांसे किए गए प्राधिकार का संबंध देव दुष्ट और बोजर तथा पोत-परिवहन दस्तावेजों को जंजन करते हुए खाता। आजीवन संपदा जमा करने का मन्थन देते हुए पंजीकृत डाक हांग सी. ए. ए. एण्ड ए. पी भेजा जाता है।

टिप्पणी:- भारी में अग्रजों के जैक को यह सुनिश्चित करा चाहिए कि वह का विवेक भागीदारों के अधिकारों का अक्षय को सुनना और अग्रजों को पोषण दक्षता के प्राप्ति के 10 दिनों के भीतर निष्पक्ष रूप से किया जाता चाहिए और यह कि उनके भागीदारों को ए. ए. ए. ए. ए. के अग्रजों (अग्रजों का विचार) निर्दिष्ट को सुनिश्चित करा दिया जाएगा ।

(1) भारत में भारत सरकार की ताद्वर्ग को सुझा विविध विविध प्रविध पर हवा विविधों की धन-विधि को पृथक्कृत करना चाहिए और अधिष्ठित "एम" प्राक्क भारतविधि विविधों को अधिष्ठित चाहिए।

अनु-5 - विविध व्यवस्थापन

5(1) अनुदान सहायता के उपयोग करने की स्थिति ।

आवासन का प्रावधान और इसके पर्याप्त हिस्से या भूगर्भ और जल संचयन के बारे में राज्य पत्र खंडों के तहत एक मासिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक पर्यवेक्षण निरीक्षण, आर्थिक कार्य विभाग, जिला प्रशासन प्रतिष्ठान प्रथम भवन, इस तब (या अधिक) तब तक, नहीं दिखाने- 110001 को प्रेरित किया।

5(2) प्राणीक का उद्भिदा विभाग उद्भिदों से संयुक्त को अग्रगण्य का देता बाकि जो इन अनुमान पर्यन्त के अन्तर्गत मान के मान में संयुक्त पर प्रभावकारी है।

5(1) शिवाव

यह समझ लेना चाहिए कि ताईनशाही श्री ० संसदा के बीच कोई विवाद उठेगा तो उसके लिए भा.व. संसदा ही उतरायायित नहीं होगा। भारतीय स्टेट बैंक टांकिनी द्वारा किए गए भुगतान में पहले संसद द्वारा पुरी को जाने पाया था। अनुसूची-1 में भुगतान को शर्तों के अन्तर्गत अच्छी तरह से स्पष्ट कर लेना चाहिए। संसद की शर्तों में विवाद के निपटारने से संबंध व्यवस्थाएं शामिल हूँगी चाहिए।

5(1) भावो अन्तरेण

तोपान से 1991-92 के लिए अनुदान सहायता के अन्तर्गत आयान
नाथुल या डाक नमूने में उठे खर्चे होने वाले किफा मामले या सभी

भारतों के संबंधित या आपात से इस अनुदान सहायता के अन्तर्गत सभी आचार्यों को पूर्ण करने के लिए भारत सरकार द्वारा समय-समय पर किए निवेदनों या आदेशों का लक्ष्यसंख्या को सुरक्षित पालन करना होगा।

5(5) अतिरिक्त या उत्सर्जन

उपर्युक्त खण्डों में विहित की गई शर्तों के अतिक्रमण या उत्सर्जन करने पर आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम के अधीन उचित कार्यवाही की जाएगी।

5(6) अनुबन्धों की सूची

अनुबन्ध—1 प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए अनुरोध

अनुबन्ध—2 प्राधिकार पत्र का प्रपत्र

अनुबन्ध-1

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करने के लिए प्रार्थना पत्र संख्या:-----

सेवा में

सहायक सेखा तथा सेखा परीक्षा नियंत्रक,
वित्त मंत्रालय, प्राधिकार कार्य विभाग,
"बी" बिल्डिंग 5 वां तल, जनपथ भवन,
जनपथ, नई दिल्ली।

विषय:— जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय परियोजना के विस्तार हेतु 1991-92 के लिए 45 मिलियन येन की आपाती अनुदान सहायता के अन्तर्गत आपात से भारत के पक्षों पर उपस्करों के परिवहन के लिए प्रेषित दृश्य श्रव्य उपस्कर और सेवाओं का आयात।

महोदय,

ऊपर उल्लिखित अनुदान सहायता के अधीन आपात से दृश्य श्रव्य उपस्करों और उनके परिवहन के लिए प्रावश्यक सेवाओं के संबंध में हम संबंध आपाती संभरक के पक्ष में बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र भेज रहे हैं:—

- (क) भारतीय आयातक का नाम और पता।
- (ख) आयात लाइसेंस की संख्या विभाक और मूल्य और अब तक यह वैध है।
- (ग) अधिप्राप्ति के तरीके क्या यह प्रत्यक्ष खरीद पर आधारित है या संमित खुली निविदा पर आधारित है। इस मामले में कारणों सहित यह निर्दिष्ट करना है कि क्या निविदा का निर्णय उपर्युक्त तकनीकी प्रस्ताव के आधार पर किया गया है।
- (घ) माल का संक्षिप्त विवरण।
- (ङ) माल का उद्गम देश।
- (च) संविदा का कुल लागत और भाड़ा मूल्य (येन में)।
- (छ) यदि कोई हो तो भारतीय रुपए में भारतीय एजेंट के कमिशन की धनराशि (येन में)।
- (ज) वह कुल लागत तथा भाड़ा मूल्य (येन में) जिसके लिए भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की आवश्यकता है।
- (झ) आपाती संभरकों के साथ की गई संविदा की संख्या और विभाक आपाती संभरक का नाम और पता।
- (ट) वे भुगतान और संबंधित तिथि जिनको संविदाओं के अन्तर्गत देय होंगे।

- (ठ) माल की सुपुर्वी पूर्ण करने की प्रत्यागित तिथियां।
- (ड) बैंक आफ इंडिया, टोकियो को भुगतान करने समय प्रस्तुत किए जाने वाले वस्तुनिष्ठ (प्रत्येक सेंट की संख्या और उनका निपटान दर्शाते हुए)।
- (ढ) पोतसर्वान अनुदेन (अनुमेय या गैर अनुमेय वाहतान्तरण/आंशिक पोतसर्वान निर्दिष्ट कीजिए।
- (ण) भारत में आयातक के बैंक का नाम और पता।
- (त) बैंक आफ इंडिया, टोकियो के प्रभार कौन वहन करेगा।
- (क्) आयातक द्वारा वचनबद्धता:—“हम एतद्वारा वचन देते हैं कि हम विदेशी संभरक को देय धनराशि के समतुल्य रुपए की पूर्ण धनराशि को सरकार द्वारा निर्धारित क्रियाविधि से और प्रचालित दर पर सही रूप से जमा करवा देंगे। माल (आयातित सामग्री) के प्रत्येक परेषण की सुपुर्वी प्राप्त कर से पूर्ण राशि शीघ्र ही जमा करवा दी जाएगी। विदेशी राष्ट्रियों की सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में, जैसे ही हमारे द्वारा विदेशी संभरक के संगत बीजक अनुमोदित किए जाते हैं और संभरक को भुगतान किया जाता है वैसे ही राशि जमा करवा दी जाएगी।

भवदीय,

अनुबन्ध-2

भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र सं०.....

संख्या एक

भारत सरकार,

वित्त मंत्रालय

(प्राधिकार कार्य विभाग)

नई दिल्ली, विनाक

सेवा में,

बैंक ऑफ इंडिया,
टोकियो शाखा,
टोकियो (जापान)

विषय: 1991-92 के लिए 45 मिलियन येन की आपाती दृश्य-श्रव्य अनुदान सहायता के अन्तर्गत आपात से भारत के पक्षों पर दृश्य-श्रव्य उपस्करों के परिवहन के लिए प्रेषित उपस्कर और सेवाओं का आयात भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र जारी करना।

प्रिय महोदय,

आपके बैंक के साथ 9-12-1991 को किए गए समझौते की शर्तों के अनुसार आपकी एतद्वारा परिशिष्ट में दिए गए यथार्थलान व्योरे के अनुसार सर्वश्री.....की.....धनराशि के भुगतान के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

2. कृपया भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र (ए/पी) की पावती के बारे में संभरकों को सूचना दे और इसकी प्रत्येक सूचना पत्र की एक प्रति जापान सरकार आयातक बैंक, भारत के राजदूतावास, टोकियो और इस मंत्रालय को पृष्ठांकित की जाएं।

3. भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र की शर्तों के अनुसार भुगतान परिशिष्ट में यथा सांकेतिक लदान वस्तुनिष्ठों के आधार पर किया जाएगा।

4. विदेशी संभरक को भुगतान करते समय (आयातक के बैंक का नाम और पता मूल पोत परिवहन दस्तावेज जिसके साथ अतिरिक्त दस्तावेजों को पूरा सैट और संभरक को अदायगी के लिए नामे बीजक की प्रति जिसमें अदायगी यदि कोई हो भेजी जानी चाहिए।

5. आयातक द्वारा आपको दस्तावेज संभरकों एवं बैंकरों के प्रभार को भेजने आदि के लिए भाड़े सहित भरा किए जाने वाले बैंकिंग भाड़े आयातक के बैंक के द्वारा सीधे ही निर्धारित किए जाएंगे।

6. जैसे ही जापानी संभरक द्वारा प्रस्तुत किए गए लदान दस्तावेजों आदि के आधार पर आपके द्वारा कोई भी भुगतान किया जाता है तो इसकी सूचना निर्धारित प्रपत्र में इस मंत्रालय को और आयात के बैंक को भेजी जानी चाहिए।

7. इस मंत्रालय की विशेष अनुमति के बिना भुगतान के लिए प्राधिकार पत्र के लिए कोई भी संशोधन जारी नहीं किया जा सकता है।

8. यह भुगतान प्राधिकार पत्र तक वैध रहेगा।

9. इस अधिकार पत्र के शीर्ष पर दिया गया है इसे संविदा से संबंधित मारे पत्राचार में और बीजक में अदायगी वगैरह में भी इसे लिखा जाए।

भवदीय,

(लेखा अधिकारी)

प्रति निम्नलिखित को प्रेषित :—

1. आयातक को उनके पत्र सं० दिनांक के के सम्बन्ध में।

उन्से अनुरोध है कि वे बैंकरों से विनियम दस्तावेजों की डिलीवरी लेने से पूर्व निर्धारित दर पर और तरीके से अपने बैंकरों के माध्यम से रुपया निक्षेप आदि जमा कराने का प्रवन्ध करें। यदि विशेष परिस्थितियों के कारण माल की डिलीवरी सोखे से सामाग्रीक और पत्तन अधिकारियों से मूल प्रोथ लदान दस्तावेज भेजे बिना ही प्राप्त कर ली गई हो तो डिलीवरी लेने से पूर्व ही निक्षेप किए जाने चाहिए। विदेशी राष्ट्रों द्वारा दी गई सेवाओं के लिए भुगतान के मामले में जैसे ही सम्बन्ध बीजक भुगतान के लिए अनुमोदित हो जाएं, निक्षेप कर लिए जाएं। निक्षेप जल्दी हो और ठीक से न करने पर लाइसेंस की शर्तों में यथाउल्लिखित आवश्यक कार्यवाही की जा सकती है।

2. आयातक के बैंकर

(1) यह प्राधिकार पत्र येस क्रेडिट के अन्तर्गत आयातों को शासित करने वाली संबंधित लाइसेंस शर्तों के तहत जारी किया गया है। लाइसेंस शर्तों और संबंधित सार्वजनिक सूचनाओं का देखे और आयात/विदेशी भुगतान करते समय उचित कार्यवाही करें।

(2) उनसे निवेदन किया जाता है कि बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो ब्रांच से दस्तावेज प्राप्त करने पर विदेशी संभरक को येन भुगतान के बराबर रुपये जमा करने की व्यवस्था करें। संभरकों की चुकाई गई धनराशि के बराबर रुपये की गणना सार्वजनिक सूचना सं० 8-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 17-1-76 और 113-आई टी सी (पी एन)/88-89, दिनांक 6-4-88 या अन्य ऐसी ही सार्वजनिक सूचना को समय समय पर जारी की जाए के अनुसार विदेशी संभरकों को भुगतान करने की तिथि को यथा प्रचलित परिबर्तन को निश्चित दर पर का आएं। प्रथम 30 दिनों के लिए 12% वार्षिक दर से और उससे अधिक आर्थिक के लिए 18% वार्षिक दर से ब्याज जो कि संभरक को भुगतान का तारीख/बैंक ऑफ इंडिया को प्रतिपूर्ति का तारीख और जिस तारीख को समतुल्य रुपये भारत सरकार के लेखा में जमा किया जाए उन दो

अवधियों के बीच की अवधि के लिए संगणित करके उसे भी सार्वजनिक सूचना सं० 31-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 10-8-83 और सार्वजनिक सूचना सं० 35-आई टी सी (पी एन)/83, दिनांक 26-8-83 के अनुसार भारत सरकार लेखे में जमा कराना है। ब्याज दोनों दिनों के लिए देय है अर्थात् वह तारीख जिसको विदेशी संभरक को भुगतान किया जाता है और वह भी तारीख जिसको भारत सरकार के लेखे में रुपये जमा कराया जाता है। (जब भी इस दर में परिवर्तन किया जाए उसे सूचित कर दिया जाएगा। 20-7-87 की सार्वजनिक सूचना सं० 230-आई टी सी (पी एन)/85-88 की शर्तानुसार आयातक द्वारा निक्षेप किए जाने वाले रुपये की गणना निकटतम रुपये के गुणक में की जानी चाहिए। यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि आयातक को सामाग्रीक निकासों के लिए आयात दस्तावेजों का मूल मट दिए जाने से पूर्व यह धनराशि जमा की जाती है।

(3) वेधनगणियां जो भारतीय रिजर्व बैंक, नई दिल्ली या भारतीय स्टेट बैंक, तीस हजारों में चालान के दाहिनी ओर कोड सं० 5130000009 दर्शते हुए जमा करनी चाहिए। इस संबंध में उनका ध्यान सार्वजनिक सूचना सं० 103-आई टी सी (पी एन)/76, दिनांक 12-10-1976 में दिए गए प्रावधानों को और रिलाया जाता है। वह लेखा शीर्ष जिसमें रुपये जमा कराना है के डि डिपोजिट्स एण्ड एडवांसिज 8443-गिविल डिपोजिट्स, डिपोजिट्स नोट, डेयरिंग इन्स्ट्रुमेंट्स डिपोजिट्स फार परचेजिज एमसेट्टा अक्वरोड, परचेजिज अण्डर ग्रांट ऐड फाम दि गवर्नमेंट ऑफ जापान फार अण्डर डिटेल्ड हेड 45 मिलियन येन ग्रांट एण्ड फार परचेज ऑफ इक्विपमेंट्स एण्ड सर्विसिज होगा।

(4) जिन मामलों में तुल्य रुपया रिजर्व बैंक, बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, तीस हजारों दिनों में सार्वजनिक सूचना सं० 132-आई टी सी (पी एन)/71, दिनांक 5-10-1971 के अनुसार नकद जमा किया जाए उन मामलों में चालान की मूल रूप में एक प्रतिनिधि उनके द्वारा निम्नलिखित पते पर भेजनी चाहिए, जिसके साथ बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो शाखा से प्राप्त सूचना टिप्पणियों का पूर्ण विवरण देते हुए एक अग्ररेषण पत्र होना चाहिए :—

सहायता लेखा तथा लेखा परीक्षा नियंत्रक,

विन मंत्रालय, (आर्थिक कार्य विभाग),

इंडियन ऑयल भवन, 5वां तल (बी० विंग),

जनपथ, नई दिल्ली-110001

(5) जिन मामलों में तुल्य रुपया ऊपर संकेतित सार्वजनिक सूचना दिनांक 24-10-68 में यथा उल्लिखित दर्शनी हुण्डा द्वारा प्रेषित करना है उसकी सूचनाएं उपर्युक्त पते पर भेजी जानी चाहिए। सभी मामलों में जमा किए गए तुल्य रुपये चुकाये गए ब्याज की राशि और वह अवधि जिसके लिए ब्याज गिना गया है, का पूरा ब्योरा इस विभाग को भेजना चाहिए।

(6) ब्रांच के बैंक प्रभार और विदेशी संभरकों के बैंकरों के प्रभार, यदि कोई हो, तो वे भारतीय बैंक और बैंक ऑफ इंडिया, टोकियो के बीच सोखे तय किए जाने चाहिए।

(7) विदेशी मुद्रा के प्राधिकृत डीनर के रूप में बैंक के कर्तव्य एवं जिम्मेदारियों को भारतीय रिजर्व बैंक के विभिन्न परिपत्रों में चिन्तित किया गया है। इस संबंध में 18-6-1977 के ए०डी० परिपत्र सं० 22 की अंश विशेष ध्यान आकर्षित किया जाता है।

3. भारतीय दूतावास, टोकियो।

4. अपर सचिव, जापान अनुभाग, विन मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग, नई दिल्ली को आई०डी० सं० दिनांक के संदर्भ में।

(लेखा अधिकारी)

MINISTRY OF COMMERCE

(Import Trade Control)

PUBLIC NOTICE : NO. 220/ITC(PN)/96—93

New Delhi, the 13th March, 1992

Subject—Licensing conditions for import of Audio—Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million (Yen 45,000,000) regarding.

F. No. IPC/23(88)/90-93.—The terms and conditions governing import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 Million, are contained in the Appendix to this Public Notice and are notified for information.

D. R. MEHTA, Chief Controller of Imports and Exports.

APPENDIX TO THE MINISTRY OF COMMERCE

Public Notice No. 280/ITC(PN)/90—93, dated 13-3-92

Licensing conditions for import of Audio-Visual equipment for J.N.U. and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under Japanese Cultural Grant, and Aid for 1991-92 of 45 Yen Million (Yen 45,000,000).

Section I General Conditions

I (i) The Japanese Grant Aid for (1991-92 of Yen 45 million is intended to be used for financing payments to Japanese Suppliers for import of Audio Visual equipment and services necessary for the transportation thereof to ports in India, by the J.N.U.

I (ii) The import licences should be issued for an aggregate amount not exceeding Yen 49.5 million (CIF) in favour of the importer, and should bear the superscription "Yen 45 million Japanese Grant Aid for 1991-92". The licence code for the first and second suffix will be "SJIN". But no import licence is required for items covered under O.G.L.

I (iii) No remittance of foreign exchange will be permitted against the import licence, except bank charges to the Bank of India, Tokyo which may be remitted through normal banking channels, payment towards Indian Agent's Commission, if any, should be made in Indian rupees to the agents in India. Such payments, however, will form part of the licence value and will, thereof, be charged to the licence.

I (iv) The equipment should be procured only from Japan under this Grant Aid 31-3-92.

I (v) The import licences will be issued on CIF basis with validity upto.

(vi) The contract should provide for payment on cash basis i.e. on presentation of shipping documents by the Japanese suppliers to the Bank of India, Tokyo. It should also provide for the period of delivery as follows —

"delivery to be completed by 15-3-92".

I (vii) The contract value (FOB or C&F basis only) should be expressed in Yen (fraction of Yen should be omitted) and should exclude Indian Agent's Commission, if any. In no circumstances the contract value should be expressed in any other currency. The FOB cost and freight amount should be shown separately but it should be clarified in the contract itself whether the freight will be payable on actual basis or whether the freight charges indicated therein would be the amount payable irrespective of the actual charges.

I (viii) The purchase contract should be entered into only with the Japanese nationals or Japanese juridical persons controlled by Japanese nationals. A certificate (in duplicate) showing the eligibility of the supplier should be added to each contract.

Section II The following provision should be specifically incorporated in the supply contract.

II (i) The contract is arranged in accordance with the Agreement dated the 9th December, 1991 between the Governments of India and Japan concerning the Grant-Aid of Yen 45 million for (1991-92) and will be subject to the approval of both the Governments.

II (ii) Payments to the suppliers shall be made through an "Authorisation to Pay" (A/P) which will be issued by the Controller of Aid Accounts & Audit, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, Janpath Bhavan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001 in favour of the Bank of India, Tokyo under the Japanese Grant Aid for 1991-92.

II (iii) The Japanese suppliers agree to furnish such information and documents as may be required by the Government of India on the one hand and the Government of Japan on the other.

II (iv) The Japanese supplier agree to make shipping arrangements in consultation with the Embassy of India, Tokyo and that for this purpose he would keep the Embassy of India, Tokyo informed of the delivery schedule of the goods involved and notify the Embassy of India, at least six weeks in advance of the shipping required so that suitable arrangements should be made. In exceptional cases, where the importer require it this period of notice may be reduced. The Japanese supplier should also agree to send a cable advice to the importer after each shipment giving the necessary details and a copy thereof should be sent to the Embassy of India, Tokyo.

Section III Contract Approval by Governments of India and Japan.

III (i) As soon as the orders are finalised, the importer should forward to the Under Secretary (Jap.), Department of Economic Affairs, Ministry of Finance North Block, New Delhi 6 copies of the contract duly signed by both parties or purchase orders by the Indian importer placed on the Japanese supplier supported by order of confirmation in writing by the Japanese supplier or their photo copies complete in all respects together with two copies of the "Request for issue of AP" in the form at Annex I. The above procedure will also apply to all contract amendments causing essential modifications to the contents of contracts in its price.

III (ii) The Ministry of Finance (DEA) Japan Section will arrange to send two copies of the contract to the Government of Japan for their approval for financing under the Japanese Grant Aid for 1991-92 of Yen 45 million, and one set of the documents mentioned in (i) above will also be sent to the CAA&A and the Embassy of India in Tokyo simultaneously.

III (iii) On receipt of the contract approval from the Government of Japan, the Japan Section of the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, North Block will inform the Controller of Aid Accounts & Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhavan, Vth Floor, B-Wing, Janpath, New Delhi-110001 of the same who will issue an 'Authorisation to Pay' (A/P) to the Bank of India, Tokyo in the form of Annexure II for making payments to the Japanese supplier. Copies of the A/P will be endorsed to the Embassy of India, Tokyo, the importer, Importer's Bank in India and Japan Section, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

III (iv) On receipt of the Authorisation to pay (A/P) the Bank of India, Tokyo will intimate the fact of this receipt to the Japanese supplier under intimation to the Government of Japan, Embassy of India, Tokyo, the importer's Bank in India and the CAA&A.

III (v) The Japanese supplier shall, after effecting shipment present through his bankers the documents specified in

the A/P to the BOI, Tokyo. If the documents are found to be in order, the Bank of India, Tokyo will release the amount specified in the documents to the Japanese supplier through his bankers.

III (vi) Banking charges payable to the Bank of India, Tokyo for arranging the payment to the Japanese supplier shall be settled by the concerned importer's bank in India by remittances to the BOI, Tokyo through normal banking channel without affecting the Government of India's account.

Section IV. Responsibility for rupee deposit.

IV (i) The Original negotiable shipping documents will be invariably forwarded by the Bank of India, Tokyo, to the concerned importer's bank in India which would be a branch of the State Bank of India or any of the nationalised banks as mentioned in (O) in Annexure-I who should released these negotiable set of documents to the importer concerned only after ensuring that the rupee equivalent of the Yen Payments made to the Japanese supplier alongwith interest charges thereon calculated at the rate of 12% per annum for the first thirty days and at 18% for the period in excess thereof reckoned from the date of payment by the Bank of India, Tokyo to the Japanese supplier to the date of actual rupee deposit, is deposited into Government of India account in terms of the Public Notice No. 31--ITC(PN)/83 dated 10-8-83 and No. 35/ITC(PN)/83 dated 2-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the day on which rupee deposit is made into Government account vide public Notice No. 74-ITC(PN)/74 dated 31-3-1974 as modified under Public Notice No. NI.103-ITC(PN)/76 dated 12-10-76. In terms of Public Notice No. 230-17-ITC(PN)/85-88 dt. 20-7-87, the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. The exchange rate to be adopted for computing the rupee equivalent of the Yen payment will be the prevailing composite rate of exchange as laid down in CCI&F Public Notice No. 3-ITC(PN)/76 dated 17-1-1976 and No. 113-ITC(PN)/88-91 dated 6-4-89 or as may be notified by Government from time to time through public Notices of the CCI&F or through Exchange control circulars of the Reserve Bank of India. Any change in this regard as also in regard to the rate of interest will be notified as and when necessary. It will be the responsibility of the Indian bank concerned to ensure that the amounts due are correctly deposited into Government Account before the Imports documents are handed over to the importers. The importer should also ensure that the amounts due are correctly deposited into Government account before taking delivery of the documents from their bankers. It is the responsibility of the importer to ensure that the amounts due are correctly deposited into the Government account promptly even when they obtain delivery of the goods from the customs authorities without original shipping documents under exceptional circumstances. In case the importer fails to deposit the amounts due to Government before taking delivery of the goods, the issue of further "A/P" to him may be stopped. The Head of Account to which the above rupee deposits should be credited is "K-deposits and Advances 8443-Civil Deposits not bearing interest, deposits for purchases etc. abroad-purchase under Grant Aid from the Government of Japan for 1991-92 Grant for purchase of audio-visual equipment service is necessary to the Transportation these of to ports of India by J.N.U.I.

IV (ii) The amount referred to above should be deposited in cash to the credit of the Government either in the Reserve Bank of India, New Delhi indicating Code No. 5170000009 on the right hand corner of the Challan or in the State Bank of India, Tis Hazari, Delhi or if this is not possible, should be remitted by means of a demand draft obtained from any branch of the State Bank of India, or its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks Drawer drawn on and made payable to the State Bank of India, Tis Hazari Branch, Delhi-6 (drawee and payee) for credit to Government account as contemplated in public Notice No. 103-IAC(PN)/76 dated 12-10-1976.

IV (iii) The concerned bank in India shall also furnish such additional deposit in the same manner stipulated above as may be requested by the Government of India on account

of service charges within seven days after such a demand is made by the Government. While filling in the various columns in the Challan it should be ensured by the Importer/their bankers that the information prescribed in Public Notice No. 103-IAC(PN)/76 dated 12-10-1976 is invariably indicated in the column "full particulars of remittances and authority (if any)" of the challan. The following particulars should invariably be furnished in the Treasury Challan:-

- Ministry of Finance 'A/P' (Authorisation to Pay) No. and Date
- Amount of Yen Currency in respect of which deposits are to be made together with rate of conversion adopted.
- Date of payment to the Japanese supplier.
- The amount of interest paid and the period for which it has been calculated.
- Total amount deposited.
(Interest is to be calculated for the period from the date of payment to the Japanese supplier upto and inclusive of the date of deposit of rupee equivalents into Government Account).

Thereafter the Treasury Challans evidencing the rupee deposit should be sent by registered post to the CAA&A indicating reference to the A/P issued by him and also enclosing copies of invoice and shipping documents.

Note : Importers Bank in India should ensure that the rupee deposits are invariably made within 10 days of the receipt of the advice of payment and negotiable shipping documents from the Bank of India, Tokyo and that the CAA&A, Ministry of Finance (DHA), New Delhi is informed immediately thereafter.

IV (iv) The concerned bank in India should also endorse the amount of rupee deposits on the exchange control copy of the licence and send the requisite "S" Form to the Reserve Bank of India, Bombay.

Section V : Miscellaneous provisions

V (i) Reports on the utilisation of the Grant Aid

The importers should make separate arrangements to ascertain the amounts and dates of payments made to the supplier. Late or delayed receipt of shipping, documents etc. by the importer Bankers will not be acceptable as a reason for waiver of partial or full amount of the interest due on the rupee deposits.

The importer should send a monthly report after the A/P has been issued regarding shipments and payments made there against and about the balance left, to the Controller of Aid Accounts and Audit, Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, Janpath Bhuvan, Vth Floor, (B Wing), Janpath, New Delhi-110001.

V (ii) The importer should apprise the supplier of any special provisions in the import of goods under this grant Aid which may affect the suppliers in carrying out the transaction.

V (iii) Disputes

It should be understood that the Government of India will not undertake any responsibility for dispute, if any that may arise between the importer and the suppliers. The conditions to be fulfilled by the supplier before payment by the Bank of India, Tokyo must be clearly spelt out by the importer in Annexure-I under "Terms of Payment". Provision dealing with a settlement of disputes be included in the condition of contract.

V (iv) Future Instructions

The importer shall promptly comply with any directions, instructions or orders issued by the Government of India from time to time regarding any and all matters arising from or pertaining to the imports and for meeting all obligations under the Grant Aid for 1991-92 from Japan.

V(v) Breach or violation

Any breach or violation of conditions set forth in the above clauses will result in appropriate action under the Imports and Exports (Control) Act.

V List of Annexures :

Annexure I :—Request for issue of A/P

Annexure II:—Form of A/P.

ANNEXURE-I

REQUEST FOR ISSUE OF THE AUTHORISATION TO PAY

To

The Controller of Aid Accounts and Audit,
Ministry of Finance,
Department of Economic Affairs,
'B' Wing, Vth Floor,
Janpath Bhavan, Janpath,
New Delhi.

Subject :—Import of audio-visual equipment and services necessary for the transportation of the equipments to ports in India from Japan under the Japanese Grant Aid of Yen 45 million for 1991-92 for the Extension of J.N.U. Project.

Sir,

In connection with the import of audio-visual equipment and services necessary for its transportation of the Equipment from Japan under the above mentioned Grant Aid, we furnish the following particulars to enable you to issue the A/P to the B.O.I., Tokyo in favour of the Japanese supplier concerned :—

- (a) Name and address of Indian importer.
- (b) Number, Date and value of the import license and date upto which it is valid.
- (c) Method of procurement whether it is based on direct purchase or limited open tendering in which case it should be indicated whether the contract has been awarded on the basis of technically suitable offer with reasons, if any.
- (d) Brief description of the goods.
- (e) Origin of the goods.
- (f) Gross C&F value of contract (in Yen).
- (g) Amount of Indian agents commission (in yen), if any, payable in Indian Rupees.
- (h) Net C&F value (in Yen) for which the A/P is required.
- (i) Number and date of the contract with Japanese suppliers.
- (j) Name and address of the Japanese supplier.
- (k) Payments terms and probable dates on which payments under the contract will fall due.
- (l) Expected date of completion of deliveries.
- (m) Documents to be presented at the time of payment to Bank of India, Tokyo (indicating No. of sets of each and their disposal).
- (n) Shipment instructions (indicate if transshipment/part shipment permitted or not permitted).
- (o) Name and address of the Importer's bank in India.
- (p) Who will bear the banking charges of the B.O.I., Tokyo-importer or supplier, please specify.
- (q) Undertaking by the importer :—
We hereby undertake to make full and correct deposit of the rupee equivalent etc., of the payment made

to the foreign supplier in the manner and at the rate prescribed by Government. The deposits will be made promptly before taking delivery of each consignment of the goods (material imported). In case of payments for services of foreign nationals, the deposits will be made as soon as the relevant invoices of the foreign suppliers are approved by us and the payments made to suppliers.

Yours faithfully,

ANNEXURE-II

Authorisation to pay No.

Government of India

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the

To

The Bank of India,
Tokyo Branch,
Tokyo (Japan).

Subject :—Import of audio-visual equipment & services necessary for the transportation of the equipment to ports in India from Japan under Japanese Grant-Aid of Yen 45 million, for 1991-92 Issue of Authorisation to Pay.

Dear Sirs,

In accordance with the terms and conditions of the agreement dated 9th December, 1991 entered into with your Bank, you are hereby authorised to pay an amount not exceeding Yen _____ to M/s.

as per details given in the appendix.

2. Please advise the Supplier of the fact of receipt of this Authorisation to Pay (A/P) and endorse a copy of this advice to the Government of Japan, Importers Bank, Embassy of India, Tokyo and this Ministry.

3. Payments to the suppliers in terms of the A/P may be made on the basis of shipping documents as indicated in the appendix.

4. On making payments to the foreign suppliers, you should send to _____ to _____ (Name and address of importers' Banker) the original shipping documents (negotiable as well as additional complete set of the documents and a copy of the debit advice for the payments made to the supplier including the down payment if any.

5. Banking charges including charges for handling document and charges of overseas suppliers, Bankers if any, payable to you by the importers, will be settled directly by the importer's bank.

6. As and when any payment is made by you on the basis of shipping documents presented by the Japanese supplier, and advice in the prescribed form should be sent to this Ministry and the importers' bank.

7. No amendment to this A/P may be advised in the absence of a specific authority from this Ministry.

8. This A/P will remain valid upto _____.

9. Please quote the number given at the top of this authorisation to pay in all correspondence relating to the contract and also in the advices showing payment.

Yours faithfully,

Accounts Officer

Copy forwarded to:—

1. Importer with reference to their letter No. dated

They are requested to arrange to deposit through their bankers, the rupee deposits etc. at the prescribed rate and manner before taking delivery of the negotiable documents from the bankers. In case due to exceptional circumstances delivery of goods is obtained directly from the Customs and Port Authorities without furnishing the original shipping documents, the deposits should be made before taking the delivery. In the case of payments for services rendered by foreign nationals, the deposits should be made as soon as the relevant invoices are approved for payment. Failure to make the deposits promptly and correctly may entail action as mentioned in the licensing conditions.

2. Importers' Banker—

- (i) This authorisation to pay is issued under the relevant licensing conditions governing the imports under Yen grants. The licensing conditions and connected public notice/order etc. may be referred to and appropriate action taken concerning the import/foreign payments.

- (ii) They are requested to arrange to deposit the rupee equivalent of the Yen payment to the Japanese supplier on receipt of the document from the Bank of India Tokyo Branch. The rupee equivalent of amount disbursed to the suppliers will have to be calculated by applying the composite rate of conversion as prevailing on the date of payment to Japanese suppliers in accordance with the Public Notice No. 8-ITC(PN)/76, dated 17-1-76, and 113-ITC(PN)/88-89, dated 6-4-89 original such other Public Notices as may be issued from time to time interest @12% per annum for the first thirty days and at the rate of 18% per annum for the period excess thereof reckoned for the period between the date of payment to the supplier and the date on which the rupee equivalent are deposited into the Government account. is required to be deposited into the Government of India's account in terms of public notices No. 31-ITC(PN)/83, dated 10-8-83 and No. 35/ITC(PN)/83, dated 26-8-83. The interest is payable for both the days i.e. the day on which payment is made to the Japanese supplier and also the date on which rupee deposit is made into the Government account (any change in this rate will be notified if and when made). In terms of Public Notice No. 230-ITC(PN)/85-88 dated 20-7-87 the rupee deposits to be made by the importers is to be rounded off to the nearest rupee. It should be ensured that these deposits are made before the original set of import negotiable documents are handed over to the importer for Customs Clearance.

- (iii) These amounts should be deposited either with RBI New Delhi indicating Code No. 5130000009 on the right hand corner of the Challan or in the S.B.I., Tis Hazari, Delhi or remitted by means of Demand Draft obtained by them from any Branch of the SBI of its subsidiaries or any one of the Nationalised Banks (Drawer) drawn on and made payable to the S.B.I., Tis Hazari, Delhi-6 (Drawee and Payee). In this connection their attention is also invited to the provisions of the Public Notice, No. 103-ITC(PN)/76, dated 12-10-1976. The head of account to be credited is K-Deposits and Advances-8443-Civil Deposits, Deposit not bearing interest Deposit for purchases etc. abroad-purchases under grant aid from Government of Japan for 1991-92 under detailed head "Yen 45 million grant aid for purchases of equipment/services by

- (iv) One copy of the challan in original, in cases where the rupee equivalents are credited in cash at the RBI, New Delhi or the SBI, Tis Hazari, Delhi as prescribed in Public Notice No. 132-ITC(PN)/71, dated 5-10-1971, should be sent by them to the address given below alongwith a forwarding letter giving full details of the advice notes received from the Bank of India, Tokyo Branch.

The Controller of Aid Accounts and Audit, Ministry of Finance (Deptt. of Economic Affairs), Janpath Bhavan, Vth Floor, (B-Wing), Janpath, New Delhi-110001.

- (v) In cases where the rupee equivalents are remitted by means of demand drafts as laid down in the Public Notice dated 24-10-1968 mentioned above, intimations thereof should be sent to the address given above. In all cases, full particulars of the rupee equivalents deposited alongwith the amount of interest paid and the period for which interest has been calculated should be furnished to this Department.

- (vi) The banking charges, of the Bank of India, Tokyo Branch, including charges of the overseas suppliers bankers, if any, should be settled directly between the Indian Bank and the B.O.I., Tokyo.

- (vii) The Bank's duties and responsibilities as authorised dealer in foreign exchange are prescribed in various A.D. circulars of the R.B.I. specific reference in this regard is invited to A.D. Circular No. 22, dated 18-6-1977.

3. Embassy of India, Tokyo.

4. The Under Secretary (Japan Section), Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, New Delhi with reference to I.D. No. dated

Accounts Officer

